Need for reform in school education system in Dadra and Nagar Haveli-laid

श्रीमती कलाबेन मोहनभाई देलकर (दादरा और नागर हवेली) : दादरा-नगर-हवेली के आदिवासी क्षेत्र के गरीब बच्चे असुविधाओं और शिक्षकों की कमी के कारण परेशानियां झेलने को मजबूर है । उनको समय पर स्कूल किट-किताबें, यूनिफार्म-शूज, रेनकोट-बैग इत्यादि वस्तुएँ नहीं मिलती, जिससे उनकी शिक्षा प्रभावित हो रही है । स्थानीय शिक्षकों की हालत बहुत ही खराब होने से वह खूब तनावपूर्ण माहौल में अपना कार्य कर रहे हैं । जिला पंचायत द्वारा प्राथमिक शिक्षण विभाग ने नवंबर 2021 में 280 अस्थाई आदिवासी शिक्षकों को अचानक बिना कारण दिए निलंबित कर दिया । जिससे गरीब बच्चों की शिक्षा पर भी प्रभाव पड़ा है । स्कूल का समय सुबह 9 से शाम 4:30 बजे तक है, जिससे स्कूल घर से दूर होने के कारण बच्चों को स्कूल पहुँचने में बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है । हायर सेकंडरी स्कूल-कॉलेज के बच्चों को पिछले दो वर्षों में स्कॉलरशिप नही मिली है । अपनी स्कॉलरशिप की समस्याओं को लेकर बच्चों ने जिला कलेक्टर को लिखित में गुहार लगाई थी, जिस पर कोई कार्रवाई नही होने से बच्चे मायूस हैं ।

मैं माननीय शिक्षा मंत्री जी से निवेदन करना चाहूँगी कि उपरोक्त विषय पर व्यक्तिगत रूप से संज्ञान लेकर बच्चों को स्कूल-किट, स्कॉलरशिप समय पर दिलवाने हेतु और नौकरी से निकाले गए शिक्षकों को फिर से बहाल कराने हेतु दिशानिर्देश जारी करने की कृपा करें ।